नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

पूरे प्रदेश में लागू हो यह इंदौर मॉडल

इंदौर के कलेक्टर शिवम वर्मा ने बुधवार को प्रशासनिक संकुल में एक बैठक आयोजित कर स्कूल और कॉलेजों के छात्रों की सुरक्षा और सुविधा के लिए अनेक कदम सख्ती से उठने के निर्देश दिए हैं. यदि इन निर्देशों का कड़ाई से पालन किया गया तो निश्चित रूप से यह मॉडल पूरे प्रदेश के लिए नजीर बनेगा. दरअसल,इंदौर प्रशासन द्वारा स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर उठाए गए ठोस और स्पष्ट कदम केवल एक शहर तक सीमित रहने वाले नहीं हैं, बल्कि इन्हें पूरे प्रदेश में एक आदर्श मॉडल के रूप में लागू किया जाना चाहिए. जिस तरह कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्कूल वाहनों, ड्राइवरों, प्रबंधन और कॉलेज परिसरों तक के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वह इस बात का संकेत है कि अब शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा को भी समान प्राथमिकता देने का समय आ गया है.

आज के दौर में अभिभावकों की सबसे बड़ी चिंता यही होती है कि उनका बच्चा घर से स्कूल तक और वापस सुरक्षित पहुंचे. कई बार लापरवाही, ओवरलोडिंग, बिना फिटनेस वाले वाहन और अनुभवहीन चालकों के कारण हादसे सामने आते रहे हैं. ऐसे में इंदौर मॉडल एक व्यवस्थित और जवाबदेह ढांचा प्रस्तुत करता है.

बसों में स्पीड गवर्नर, जीपीएस और सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता न केवल निगरानी को मजबूत करेगी, बल्कि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई को भी संभव बनाएगी. फर्स्ट-एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और इमरजेंसी निकास जैसे प्रावधान बच्चों की सुरक्षा के प्रति प्रशासन की गंभीरता को दर्शाते हैं.इसी तरह ड्राइवरों के लिए न्यूनतम अनुभव, आपराधिक रिकॉर्ड की जांच और महिला परिचालक की व्यवस्था जैसे निर्देश सामाजिक संवेदनशीलता और व्यावहारिकता का संतुलन स्थापित करते हैं. छात्राओं की सुरक्षा के संदर्भ में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है. ओवरलोडिंग पर सख्त रोक और वाहन चलाते समय मोबाइल के उपयोग पर प्रतिबंध जैसे कदम सड़क सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांतों को मजबूत करते हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है. कॉलेज परिसरों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर निगरानी समितियों का गठन भी इस मॉडल का एक महत्वपूर्ण पहलू है. शिक्षा का वातावरण तभी स्वस्थ रह सकता है जब वह नशामुक्त और अनुशासित हो. यह पहल युवाओं को सही दिशा देने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है.

सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि इस पूरी व्यवस्था में अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न डालने की भी स्पष्ट मंशा दिखाई देती है. यूनिफॉर्म और किताबों को लेकर एकाधिकार खत्म करने की बात पारदर्शिता और निष्पक्षता की दिशा में एक अहम कदम है.

अब आवश्यकता इस बात की है कि प्रदेश सरकार इस इंदौर मॉडल का गहन अध्ययन कर इसे आगामी शैक्षणिक सत्र से सभी जिलों में लागू करे. इसके लिए एक समान गाइडलाइन तैयार की जाए, नियमित निरीक्षण की व्यवस्था हो और उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए. साथ ही, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन के बीच संवाद को भी मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि यह व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित न रहकर जमीन पर प्रभावी रूप से लागू हो. यदि इस मॉडल को प्रदेशव्यापी रूप दिया जाता है, तो यह न केवल बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि शिक्षा प्रणाली में विश्वास को भी मजबूत करेगा. सुरक्षित वातावरण में ही बेहतर भविष्य की नींव रखी जा सकती है, और इंदौर ने इस दिशा में एक सशक्त शुरुआत कर दी है.

महाकौशल की डायरी

जो सालों में नहीं हुआ वो इस बार हो गया...

अविनाश दीक्षित

मर्यादा, आचरण, अनुशासन और बोली की शैली...इन सभी की धज्जियां जब 2200 करोड़ के बजट को पारित करने के दरम्यान नगर निगम मुख्यालय के सभाकक्ष में उड़ी तो चर्चाओं का बाजार पूरे शहर में गर्म हुआ. यह सालों के नगर निगम इतिहास में संभवत: पहली बार हुआ जब नौबत हाथापाई तक की नजर आने लगी. जहां एक ओर कांग्रेस के गलियारों में सत्ता पक्ष को लेकर जमकर आरोप लगाए गए तो वहीं दूसरी तरफ सत्ता पक्ष द्वारा विकास कार्यों के तमाम दावे पेश किए गए. लेकिन जो बदनामी सदन बैठक की होनी थी उसे कोई नहीं रोक

पाया. 3 दिन चली सदन की बैठक में निगम अध्यक्ष के हस्तक्षेप से सांतवे आसमान पर पहुंचा गुस्सा बमुश्किल धरातल पर आया. इस दौरान सत्ता और विपक्ष के सभी पार्षद अपना-अपना दामन बचाते नजर आए.

हुआ यूं कि सदन बैठक में शहर के प्रथम नागरिक जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कांग्रेस के पार्षदों और नेता प्रतिपक्ष से यह कह दिया कि कौन कितने पानी में है हमें सब पता है, कहीं मैंने नाम ले लिया तो दिक्कत में आ जाओगे. जिसके बाद कांग्रेस पार्षदों और नेता प्रतिपक्ष अमरीश ने तीखी नोंकझोंक करते हुए गहमा गहमी बना दी. सदन में नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा द्वारा महापौर को दी गई खुली चुनौती की चर्चा भी शहर में काफी रही, जिसमें उन्होंने दो टूक कहा था कि जिसको जो कुछ करना है कर ले, हमें जो करना होगा हम करेंगे.

उधर भाजपा पार्षद जीतू कटारे सहित अन्य पार्षदों ने तो ये तक कह दिया था कि सदन के भीतर उपयोग किए गए कांग्रेस पार्षदों के असंसदीय वाक्य कांग्रेस को पाताल में ले जाने के लिए पर्याप्त हैं.

निगम मंडलों की वायरल सूची बनी सियासती जंग का मुद्दा...

निगम- मंडलों में किसे क्या जिम्मेदारी मिली है इसकी सोशल मीडिया में एक सूची वायरल हुई तो राजनैतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया. यद्यपि ये खबर भी पुख्ता है कि निगम मंडल की सूची अभी हाई कमान के द्वारा होल्ड कर दी गई है. हैरानी की बात ये थी कि जिनके नाम सोशल मीडिया पर वायरल सूची में चल रहे हैं उनसे अभी तक बायोडाटा तक नहीं बुलाया गया है. ऐसे में जिनके नाम सूची में हैं वे खुद सकते में हैं और भाजपा के अपने अपने दिग्गज नेताओं के दरबार में दस्तक लगाते हुए भी नजर आ रहे हैं. वायरल सूची को लेकर जबलपुर कांग्रेस ने भी कटाक्ष करना नही छोड़ा. कांग्रेस नेता अभिषेक मिश्रा ने सोशल मीडिया पोस्ट में वायरल सूची को भाजपा के लंगड़े घोड़े का दर्जा दिया और लिखा कि महिलाओं के नाम पर पूरे देश में हल्ला करने वाले बताएं कि निगम मंडलों की नियुक्तियों में कितनी महिलाओं को रखा गया है..? लंगड़े घोड़े पर सियासत फिर शहर में शुरू हुई जिसकी चर्चाएं भोपाल तक जोरों पर हुईं.

बैक डोर एंट्री कहीं बिगाड़ न दावेदारों का खेल...

भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष पद पर चयन के लिए कई कयास और गुणा भाग अपने-अपने स्तर पर लगाए जाने लगे हैं. चर्चाएं जोरों पर हैं कि युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष पद की दौड़ में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से भी कोई नाम अचानक से बैक डोर एंट्री कर सकता है. सूत्रों की मानें तो ये भले ही यह बैक डोर एंट्री होगी लेकिन अगर यह एंट्री दावेदारों की दौड़ में होती है तो बड़ी प्रभावी होगी और इसे वर्तमान दावेदारों का पूरा गणित बिगड़ जाएगा. फिलहाल जबलपुर से युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष पद के लिए ईशान नायक, रविंद्र तिवारी, रौनक अग्रवाल के नाम चर्चाओं में हैं. इसके अलावा शुभम गोंटिया, मानव घनघोरिया के नाम प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल कराने के लिए प्रयास हो रहे हैं. हालिया बात करें तो युवा मोर्चा के अध्यक्ष को लेकर भारतीय जनता पार्टी में अब गुटबाजी और खेमेबाजी चरम पर नजर भी आने लगी है. भले ही पार्टी का शीर्ष नेतृत्व गुटबाजी को नकार दे लेकिन हकीकत में जो नजर आ रहा है उसको नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है. विदित हो कि युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष पद महत्वपूर्ण हैं जिसके नाम को फाइनल करने से पहले भाजपा को शहर के सभी प्रमुख जनप्रतिनिधियों, सांसद, विधायकों संगठन के महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की रायशुमारी और रजामंदी लेनी होगी. इसके बाद ही अंतिम नाम पर मुहर लगाकर उसका नाम सार्वजनिक किया जाएगा. खबर तो ये भी है कि युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष के दावेदार आए दिन भोपाल में डेरा जमाने लगे हैं और अपने अपने भाजपाई दिग्गज नेताओं के दरबार में दस्तक दे रहे हैं, मंशा है कि किसी तरह सेटिंग फिक्स हो जाए और नगर अध्यक्ष का पद उन्हें मिल जाए .हालांकि सवाल बरकरार है कि संगठन द्वारा किसे प्राथमिकता देकर नगर अध्यक्ष बनाया जाता है. राजनैतिक जानकारों की मानें तो इसमें अभी करीब 1 माह का समय लग सकता है.

ट्रैक से संसद तक

महिलाओं को भारत का नेतृत्व करना चाहिए

डॉ. पी टी ऊषा

अब है कार्यवाही का वक्त- राज्यसभा में सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त करने के बाद, मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि कैसे विविध दृष्टिकोण बहस और निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाते हैं. फिर भी, आज लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल लगभग 15 प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है .नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो चुका है. अब बस इसे पूरी तरह, निष्ठापूर्वक और बिना देर किए लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की ज़रूरत है .भारत अपनी आधी आबादी को सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकायों में कम प्रतिनिधित्व देते हुए, विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा नहीं रख सकता. आधी प्रतिभा को दरकिनार करके विकसित भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता, न ही आधी आवाज़ पर सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है .आगे का रास्ता साफ है. सवाल यह है कि क्या हम उस पर चलने का दृढ़ संकल्प रखते हैं.

मैंने अपना पूरा जीवन भागदौड़ में ही बिताया है, पहले केरल की कच्ची सड़कों पर, फिर वैश्विक मंचों पर और अब सार्वजनिक जीवन के गलियारों में. हर कदम पर मुझे कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, कुछ प्रत्यक्ष और कुछ अनकही बाधाओं का भी, जिन्होंने महिलाओं को यह बताया कि उनका यहाँ कोई स्थान नहीं है. मैंने यह भी देखा है कि जब ये बाधाएं टूटने लगती हैं तो क्या होता है. अवसर परिणामों को बदल देता है और इससे भी ज़रूरी बात यह है कि यह लोगों की सोच को बदल देता है. यही कारण है कि संविधान (एक सौ अट्ठाईसवाँ संशोधन) विधेयक, 2023-नारी शक्ति वंदन अधिनियम-केवल एक विधायी उपलब्धि नहीं है. यह एक लंबे समय से प्रतीक्षित संरचनात्मक सुधार है. लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना न तो कोई रियायत है और न ही दिखावा. यह अधिक प्रतिनिधि और प्रभावी लोकतंत्र की दिशा में एक ज़रूरी कदम है.

खेलों ने हमें क्या सिखाया है- जब मैंने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में हिस्सा लिया और कुछ ही सेकंड के अंतर से पदक से चूक गई, तब बहुत कम भारतीय लड़कियां थीं, जो वैश्विक मंच पर खुद को देख पाती थीं. लेकिन पिछले कई दशकों में यह स्थिति बदली है. प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और पहचान तक पहुंच में सुधार के साथ, भारतीय महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता हासिल करने लगीं हैं.पी.वी. सिंधु, मीराबाई चानू, विनेश फोगाट और मैरी कॉम जैसी एथलीटें अकेले नहीं उभरीं. वे एक ऐसी व्यवस्था का परिणाम हैं, जिसने धीरे-धीरे ही सही, पहुंच को व्यापक बनाना शुरू किया. प्रतिनिधित्व आकांक्षाएं पैदा करता है और आकांक्षा, जब समर्थित होती है, तो उपलब्धि दिलाती है.सबक साफ है. जब महिलाओं को स्थान दिया जाता है, तो वे व्यवस्था में केवल भाग नहीं लेतीं, वे शानदार प्रदर्शन भी कर दिखाती हैं.

हर भारतीय के लिए बेहतर शासन- भारत में जमीनी स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व का प्रभाव पहले ही देखा जा चुका है. 73वें संवैधानिक संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किए जाने के बाद से, विभिन्न राज्यों में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व वाले क्षेत्रों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हुआ है.

ये महज़ महिलाओं के मुद्दे नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं. महिला नेता अक्सर सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, सुचारू रूप से चलने वाले स्कूल, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी शासन से जुड़ी उन रोजमर्रा की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो परिवारों और समुदायों को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं.इस प्रतिनिधित्व को राज्य विधानसभाओं और संसद तक विस्तारित करना केवल निष्पक्षता की बात नहीं है. यह शासन की गुणवत्ता में सुधार से जुड़ा है.

प्रतिनिधित्व का आर्थिक महत्व- भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी विश्व में सबसे कम है, जो लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है. यह केवल एक सामाजिक चिंता नहीं, बल्कि एक आर्थिक समस्या भी है.विधानसभाओं में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व उन नीतियों को प्राथमिकता देने में मदद कर सकता है, जो इस अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करती हैं, जैसे किफायती बाल देखभाल, सुरक्षित कार्यस्थल, ऋण तक पहुंच और महिला उद्यमियों के लिए समर्थन. मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने से भारत की जीडीपी में 700 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है.अधिक समावेशी संसद न केवल एक लोकतांत्रिक आवश्यकता है, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता भी है.

सुरक्षा, गरिमा और भागीदारी- भारत भर में लाखों महिलाओं के लिए, सार्वजनिक जीवन में भागीदारी अभी भी सुरक्षा, भेदभाव और असमान पहुंच की चिंताओं से प्रभावित है. चाहे खेल हो, शिक्षा हो या कार्यस्थल, ये समस्याएं हमारे समाज में गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं.

(लेखक राज्यसभा सांसद, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और राष्ट्रमंडल खेल संघ, भारत की अध्यक्ष हैं.)

पहलगाम से जुड़े प्रश्न अब भी अनुत्तरित

एक वर्ष पूर्व पहलगाम में पर्यटकों के नाम व धर्म पूछकर की गई नृशंस हत्या को देशवासी कभी भुला नहीं सकते. अभी भी इस हमले के घाव भरे नहीं हैं. इस आतंकी हमले से जुड़े कुछ प्रश्न अभी भी अनुत्तरित हैं जैसे कि बैसरन वैली में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं थी? आतंकवादी कहां से आ पहुंचे थे और उन्हें किसकी मदद थी? इस नरसंहार की साजिश पाकिस्तान ने रची थी जिसके आतंकी ठिकानों को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत नेस्तनाबूत कर भारत ने करारा जवाब दिया था. भारत ने हमेशा यह रुख कायम रखा कि हमारी लड़ाई आतंकवाद से है और ऐसे दरिंदों को वह घर में घुसकर मारेगा. ऑपरेशन सिंदूर के पहले चरण में पाकिस्तान के अनेक आतंकी ठिकाने नष्ट किए गए और दूसरे चरण में लगभग 10 पाकिस्तानी एयरबेस तबाह किए गए. पाकिस्तानी डीजीएमओ के संघर्ष विराम प्रस्ताव को भारत ने स्वीकार किया था क्योंकि चुने हुए लक्ष्यों को निशाना बनाने का उद्देश्य उसने हासिल कर लिया था. इस संघर्ष को रुकवाने का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लेते रहे लेकिन भारत ने यही कहा कि दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों ने आपसी सहमति से संघर्ष रोका. भारतीय मिसाइल हमले से जो आतंकी मारे गए उनके जनाजे में आतंकी सरगनाओं के साथ पाकिस्तान के बड़े सैनिक अफसर भी शामिल हुए थे. यह स्पष्ट प्रमाण है कि पाकिस्तानी फौज की आतंकियों से मिलीभगत है. आतंकवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है. आतंकवादी स्थानीय युवकों की भर्ती करते हैं और अपने स्लीपर सेल को सक्रिय कर हमले को अंजाम देते हैं. दिल्ली व यूपी के डॉक्टरों के आतंकवादियों से संबंध थे. कश्मीर में दीर्घकालीन स्थिरता व शांति के लिए केवल सुरक्षा नीति पर्याप्त नहीं है. वहां राजनीतिक संवाद और विश्वास बहाल करते हुए स्थानीय लोगों को रोजगार देना भी जरूरी है. पाकिस्तान की दुम कभी सीधी नहीं होगी. वह हर फोरम पर कश्मीर की रट लगाता है. चीन और अमेरिका उसके मददगार बने हुए हैं. सऊदी अरब भी उसे भारी आर्थिक सहायता देता है. आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष मुनीर को ट्रंप महान फील्ड मार्शल कहते हैं. पाकिस्तान पर जरा भी भरोसा नहीं किया जा सकता. भारत ने ऑपरेशन सिंदूर स्थगित किया है, खत्म नहीं किया है. पाक ने यदि आगे कोई दुस्साहस किया तो भारत को निर्णायक तरीके से उसको सबक सिखाना होगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

मुरली मनोहर ने पते की बात कही हम पहले थे विश्वगुरु, अब नहीं

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, आपको याद होगा कि सक्रिय राजनीति से पूरी तरह रिटायर कर देने के लिए बीजेपी ने अपने 2 वरिष्ठ नेताओं लालकृष्ण आडवाणी और डॉ. मुरलीमनोहर जोशी को परामर्शदाता मंडल में भेज दिया था. यह बीजेपी का एक तरह का वृद्धाश्रम है. आडवाणी 98 वर्ष और जोशी 92 वर्ष के हो चुके हैं.'

हमने कहा, 'लोग अपने घर और कुल की परंपराओं व रीतिरिवाजों के बारे में बड़े-बूढ़ों से ही तो पूछते या परामर्श लेते हैं कि बताओ दादा ऐसी परिस्थिति में क्या करना चाहिए? बुजुर्गों का अनुभव और जवानों का जोश दोनों काम की चीज हैं.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, बीजेपी के परामर्शदाता पूरी तरह बैकग्राउंड या नेपथ्य में चले गए. उनसे कोई परामर्श नहीं लेता. इसकी जरूरत भी महसूस नहीं की जाती, लेकिन अब एक परामर्शदाता मुरलीमनोहर जोशी ने बिना मांगे परामर्श दिया है और प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान में करेक्शन किया है कि भारत विश्वगुरु है. जोशी का कहना है कि भारत कभी विश्वगुरु था, लेकिन अब नहीं है.

बीजेपी में रहकर मोदी के बयान को गलत बताना पानी में रहकर मगर से बैर करने के समान है.' हमने कहा, 'ऐसा गर्मजोशीभरा बयान देकर जोशी खतरों में आ गए, वरना लोग तो उन्हें भूल ही गए थे. राजनीति में उगते सूरज को सब सलाम करते हैं लेकिन डूबते सूरज को कोई नहीं देखता. जोशी का तात्पर्य समझिए. जब भारत विश्वगुरु था तो उसने समूची दुनिया को शून्य का आंकड़ा और दशमलव प्रणाली दी थी. हमारे वैज्ञानिक व गणितज्ञ आर्य भट्ट, वराहमिहिर, भास्कराचार्य, ब्रम्हगुप्त आदि थे. पाणिनी का व्याकरण आज तक पढ़ाया जाता है. मंडन मिश्र के यहां पले तोता-मैना संस्कृत में वार्तालाप करते थे. उनकी पत्नी भारती देवी सरस्वती का अवतार मानी जाती थी, जिन्होंने जगदगुरु आदि शंकराचार्य से शास्त्रार्थ किया था. हमारे देश में नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय थे, जहां पढ़ने विदेश से लोग आया करते थे. चाणक्य का अर्थशास्त्र आज भी प्रसिद्ध है. आज हमारे 200 विश्वविद्यालयों में से कोई भी ऑक्सफोर्ड, कैर्मब्रज, हार्वर्ड, येल, स्टैनफोर्ड जैसी यूनिवर्सिटी की बराबरी नहीं करता. विदेशी आक्रमणकारियों ने नालंदा विश्वविद्यालय को जला दिया था, जहां इतने ग्रंथ थे कि 6 महीने तक आग जलती रही.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जिस दुनिया में ट्रंप जैसे सनकी और ईरान जैसा अड़ियल हो और आतंकिस्तान का मुनीर शांतिवार्ता कर रहा हो वहां भारत की विश्वगुरु की भूमिका कहां रह जाती है? जोशी सही कह रहे हैं. हम पहले विश्वगुरु थे, अभी नहीं हैं. इसलिए अपने मुंह मियां मिट्ठू नहीं बनना चाहिए.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12238 - डॉ. सागर खादीवाला

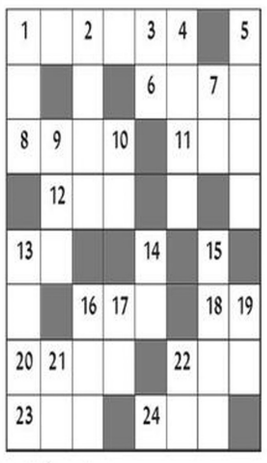

अनुचित रूप से हजम करना (उर्दू)

ऊपर से नीचे

1. खोज, चाह (उर्दू) 2. बौना, ठिगनापन 3. बूढ़ा, दादा, साधु-संन्यासी 4. जरी के तार खींचने वाला (उर्दू) 5. काशी, वाराणसी 7. गुलाम, खरीदा हुआ नौकर 9. बयान करना, कहना, जताना 10. अंग्रेजी वर्ष का पांचवां महीना (उर्दू) 13. फैक्ट्री, अधिक मात्रा में वस्तुएं तैयार करने का स्थान 14. पूंछ 15. ईश्वर 16. चीजें खरीदकर बेचने का काम 17. किसी भी तरह की सवारी, विमान (सं.) 19. उस समय, इस कारण 21. नगीना, संख्या, अदद 22. जिस समय, जिस वक्त

बाएं से दाएं

1. तलवार चलाने वाला व्यक्ति (उर्दू) 6. बोरा, थैला, टूटा-फूटा सामान 8. ओस, तुषार (उर्दू) 11. कमी, न्यूनता (उर्दू) 12. स्थिर दृष्टि से ध्यानपूर्वक देखना 13. एक आंख का, एकाक्ष 16. कसरत, बल चढ़ाने के लिए किया जाने वाला शारीरिक परिश्रम18. बीता हुआ, दशा, अवस्था 20. खाना और पीना, खाने-पीने का ढंग 22. उत्तर, मुकाबले की चीज, नौकरी से हटाने की आज्ञा 23. नगर संबंधी, नगर निवासियों से संबंध रखने वाला 24. पराया धन

Solution 12237

क	न	स्त	र	■	र	स	द
दा	म	■	ज	ल	वि	हा	र
हा	स्य	■	नी	ड़	■	य	■
र	■	आ	ज	■	ब	क	ना
■	पा	ग	ल	प	न	■	■
ग	र	म	■	क	वा	य	द
म	■	न	र	ना	री	■	र्प
न	क्शा	■	व	■	■	प्रा	ण

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा का योग है, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. मित्र के कारण कार्यों में व्यवधान आयेगा. व्यवसाय में अत्याधिक परिश्रम करना होगा. वर्ष के मध्य में पूर्व निर्धारित कार्यों में रूकावटें आयेंगी. दाम्पत्य जीवन में कलहपूर्ण स्थिति से बचना चाहिये. वर्ष के अन्त में धन लाभ का योग है. शुभ सूचना प्राप्त होगी. जमीन जायजाद में वृद्धि होगी. संबंधों में मधुरता आयेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को धन लाभ का योग है. सुखद समाचार प्राप्त होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यात्रा का योग है. पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को जीवन सुखमय रहेगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को अधिक परिश्रम करना होगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को निर्धारित कार्यों में रूकावटें आयेंगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मित्र के कारण व्यवधान आ सकता है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुन्दर, एकांतप्रिय, ईमानदार, होगा, परिश्रमी दृढ़ निश्चयी होगा, साहसिक कार्य करने वाला, बुद्धि का तेज होगा, बचपन में स्वास्थ्य कुद नरम गरम रहेगा, बाद में अच्छा स्वास्थ्य रहेगा, आर्थिक स्थिति जीवन भर अच्छी रहेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

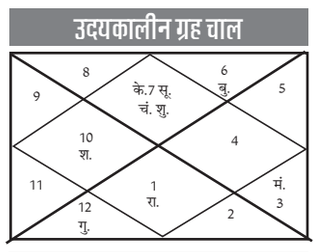

पंचांग

रा.मि. 04 संवत् 2083 वैशाख शुक्ल अष्टमीं भृगुवासरे रात 11/21, पुष्य नक्षत्रे रात 12/7, धृति योगे प्रात: 7/42 तदुपरि शूल योगे रातअंत 5/7, विष्टि करणे सू.उ. 5/36, सू.अ. 6/24, चन्द्रचार कर्क, शु.रा. 4,6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9,12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल अष्टमीं को पुष्य नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, लोहा, गुड़, खांड़, चीनी, मोट, आदि में तेजी होगी, घी, गुड़, जौ, चना, के भाव में नरमी होगी. भाग्यांक 3712 है.

मेष- विरोधी उलझाने का प्रयास कर सकते हैं, मेहमानों की आवाजाही बनी रहेगी, पारिवारिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, नये मित्रों से मुलाकात होगीं

वृषभ- संबंधों को बेहतर बनाने बनाने की कोशिश करेंगे, कोर्ट कचहरी के कार्यों में व्यस्तता रहेगी, पारिवारिक जबावदारी बढ़ेगी, धार्मिक कार्यों में मन लगेगा.

मिथुन- तनाव की स्थिति में परिवार का साथ खुशी देगा, रोजगार के इच्छित अवसर मिल सकते हैं, पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी.

कर्क- राजकीय मामलों में पक्ष मजबूत होगा, प्रापर्टी खरीदने का मन बनेगा, अत्याधिक व्यस्तता होगी, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, निजी मामलों में एक रूपता रहेगी.

सिंह- मामूली बात को लेकर कार्यस्थल पर परेशानी होगी, अपनी सीमाओं का ध्यान रखें, श्रम एवं प्रयास करने से विरोधियों का शमन होगा, भाग्यवर्धक समाचार मिलेगा.

कन्या- युवाओं को कैरियर में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं, तय कार्यक्रम में बदलाव से परेशानी होगी, प्रिय व्यक्ति के आगमन से प्रसन्नता रहेगी, खानपान पर ध्यान दें.

तुला- जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, लोगों की बातों से मन परेशान रहेगा, दिनचर्या नियमित रहेगी, व्यापार व्यवसाय में अच्छी सफ्लता प्राप्त होगी.

वृश्चिक- सूझबूझ से फैसला लेने में सफ्लता मिलेगी, जिद में आकर अपना नुकसान न करें, आकस्मिक खर्च में वृद्धि होगी, दैनिक कार्यों में परिवर्तन होगा.

धनु- योजनाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी, इच्छानुसान सभी कामकाज पूर्ण होंगे, संपर्क सुखद एवं लाभदायक रहेगा, आत्म विश्वास में वृद्धि होगी.

मकर- पारिवारिक आयोजन में शामिल होकर खुशी मिलेगी, राजकीय उलझनें दूर होंगी, अधिकारियों से सहयोग मिलेगा, नई जबावदारी आ सकती है.

कुम्भ- नए सौदे हाथ में आने से अच्छा लाभ होगा, विवाह की चर्चाओं में सफ्लता मिलेगी, भाग्यवर्धक प्रयास पूर्ण होंगे, निजी मामलों में सामंस्य बना रहेगा.

मीन- सामाजिक कार्यों में भागीदारी बढ़ेगी, मेहनत के बावजूद सफ्लता मिलना मुश्किल है, आर्थिक समस्या का समाधान होगा, पारिवारिक विवादों को टाले.

SUDOKU 7370

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7369

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1